<u>पंडित पृष्ठ : पंडितों से पूछें</u>

Ask the Pundits

कुछ कथन - मधु की बूंदों जैसे

रहस्यवादी गूढ़ व्यक्ति संदेह या पहेली नहीं लाता : संदेह और पहेली तो पहले से ही विद्यमान है । हम सभी बिना किसी के इशारा किए इस पृथ्वी की पहेलियों को महसूस करते हैं । जीवन का रहस्य इसका एक सरलतम भाग है । बादल और अंधेरे का साया, हैरा-न □र दे-नेवाला □ोहरा - ये प्रतिदिन के मौसम के हिस्से हैं । चाहे हम किसी भी बात के आदी क्यों न हो गए हों पर रहस्यमय बातों के निश्चित आदी हो चुके हैं । हरेक पत्थर या फूल एक दुर्बोध चित्रलिपि है जिसे समझने की कुंजी हमने खो दी है । अपने जीवन के हरे□ कदम पर हम एक ऐसी कहानी के मध्य में पैर रखते हैं जिसके विषय में हम निश्चित तौर पर गलतफहमी के शिकार हो जाते हैं ।

जी के चेस्टरत्न, विलियम ब्लेक, लंदनः डकवर्थ कंपनी, पृष्ठ-131